Need to regulate the social media ? laid

श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरे (लातूर): युवा पीढ़ी व बच्चों पर सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव के परिणाम नजर आने लगे हैं । लंबे समय तक सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से बच्चे व युवा अक्सर अपने दोस्तों और परिवार से दूर जाते हैं और वास्तविक जीवन में समाजिक गतिविधियों में हिस्सा नहीं लेते तथा पढ़ाई और अध्ययन के लिए उचित समय नहीं निकाल पाते । बच्चे व युवा अब शारीरिक खेलों और मनोरंजन के बजाय वीडियो गेम, यूट्यूब आदि का प्रयोग अधिक करते हैं, जिससे युवा वर्ग शारीरिक और मानसिक तौर पर कमजोर हो रहा है । निष्क्रियता और सामाजिक असमर्थता: इससे उन्हें सामाजिक असमर्थता की समस्या हो सकती है, जिससे उन्हें नए रिश्तों को बनाने में दिक्कत हो सकती है । सोशल मीडिया का उपयोग बच्चों और युवाओं को चिड़चिड़ा बना रहा है और उनमें चिंता और अवसाद की स्थिति पैदा कर रहा है, जिसके कारण वे आत्महत्या तक के कदम उठा लेते हैं । सोशल मीडिया में लिप्त युवा व बच्चे हैकिंग, आइडेंटिटी को चोरी, फ़िशिंग अपराध इत्यादि जैसे साइबर अपराधों के शिकार हो सकते हैं । इसी कारण चीन, ईरान, नार्थ कोरिया, न्यामांर, रूस, तुर्कमेनिस्तान व युगांडा आदि देशों ने तो सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है । यही नहीं भारत सहित कई देशों को भी कतिपय सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे टिक टॉक पर प्रतिबंध लगाना पड़ा है । मेरा सरकार से अनुरोध है कि भारत में भी सोशल मीडिया को विनियमित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं ताकि हमारी युवा पीढ़ी व स्कूली बच्चों को इसके नकारात्मक दुष्प्रभावों से बचाया जा सके तथा उनका उज्जवल भविष्य सुनिश्चित किया जा सके ।